निष्कर्ष

सामान्य व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिकता के अर्थ का अध्ययन किया गया। आध्यात्मिकता के अर्थ के संबंध में मुक्त उत्तर वाले प्रश्नों के द्वारा सामान्य व्यक्ति, आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति स्वयं के आधार पर कैसे करता है? इसकी विवेचना की गई। जो इस प्रकार है-

- सामान्य व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिकता के अर्थ का प्रश्न है, वहाँ हिन्दू धर्म, कबीर-पंथ तथा इस्लाम धर्म से संबंधित वृद्ध प्रतिभागियों ने आत्म व स्व के संबंध में आध्यात्मिकता को महत्वपूर्ण माना है। जबकि कुछ भगवान व धर्म के संबंध में भी आध्यात्मिकता को समझते हैं। हिन्दू धर्म और इस्लाम धर्म के प्रतिभागियों ने भगवान व धर्म के संबंध में आध्यात्मिकता को अधिक महत्वपूर्ण माना। जबकि कबीर पंथ के प्रतिभागियों ने आत्म व स्व को ज्यादा महत्व दिया।
- आध्यात्मिकता को दिनचर्या में शामिल करने को सभी (हिन्दू, इस्लाम एवं कबीर पंथ) ने महत्वपूर्ण माना और इसके लिए वे समय निकालने का प्रयास भी करते हैं।
- जहाँ तक धर्म से आध्यात्मिकता का संबंध है, तो वृद्ध प्रतिभागियों ने धर्म को आध्यात्मिकता के साथ संबंध की बात को माना। हिन्दू धर्म, इस्लाम धर्म तथा कबीर पंथ से संबंधित प्रतिभागियों ने आध्यात्मिकता को धर्म से संबंध की बात कही जबकि कुछ ही लोगों ने असहमति व्यक्त की।
- गहरी चिंतन प्रक्रिया के रूप में विभिन्न धर्मों (हिन्दू, इस्लाम एवं कबीर पंथ) से संबंधित व्यक्तियों ने अपनी सहमति दी। जिसमें हिन्दू धर्म अन्य धर्मों (इस्लाम एवं कबीर पंथ) की तुलना में अधिक सहमति जतायी है। हिन्दू धर्म के लोगों ने आत्म व स्व की खोज तथा भगवान के प्रति पूर्ण आस्था को गहरी चिंतन प्रक्रिया के रूप में माना है। जबकि कबीर पंथ के लोगों ने मानवता को गहरी चिंतन प्रक्रिया माना।
- धर्म के अनुसार आध्यात्म के प्रश्न को विभिन्न धर्मों के लोगों ने धर्म और ईश्वर के प्रति आस्था और अनुभूति के संबंध में अपनी सहमति जतायी है। हिंदुओं ने धर्म और ईश्वर के प्रति आस्था व अनुभूति तथा स्वयं को जानने को धर्म के अनुसार कहा। कबीर पंथ तथा हिन्दू धर्म के लोगों में जन-कल्याण की भावना तथा धर्मनिरपेक्ष विचार को समान पाया गया। वहीं कबीर पंथ के अनुयायियों ने सुखमय जीवन को धर्म के अनुसार अध्यात्म को बताया।
- आध्यात्मिक व्यक्ति और सामान्य व्यक्ति की मन:स्थिति के अंतर के प्रश्न पर विभिन्न धर्मों (हिन्दू, इस्लाम एवं कबीर पंथ) के ज़्यादातर लोगों ने आध्यात्मिक व्यक्ति में शांति, आनंद, प्रेम, जन-कल्याण व अभौतिकतावादी का होना माना। हिन्दू धर्म के लोगों ने आध्यात्मिक व्यक्ति में शांति, आनंद, प्रेम व जन-कल्याण के होने की बात को कही।

- आध्यात्मिकता से जीवन में परिवर्तन को लेकर विभिन्न धर्मों (हिन्दू, इस्लाम एवं कबीर पंथ) के ज़्यादातर प्रतिभागियों ने सुख, शांति और प्रेम भाव में वृद्धि तथा सकारात्मक सोच एवं व्यक्तित्व विकास को बताया। हिंदुओं ने जीवन में सुख, शांति और प्रेम भाव में वृद्धि को जीवन में परिवर्तन का होना स्वीकार किया। सकारात्मक सोच को कबीर पंथियों ने, जबकि इस्लाम धर्म के लोगों ने सकारात्मक व्यक्तित्व विकास को ही परिवर्तन का नाम दिया।
- धार्मिक व्यक्ति तथा आध्यात्मिक व्यक्ति में अंतर को हिन्दू धर्म, कबीर पंथ तथा इस्लाम धर्म के लोगों ने धार्मिक तथा आध्यात्मिक व्यक्ति में अंतर को स्वीकार किया जबकि कुछ ने समानता के रूप में स्वीकार किये।
- आध्यात्मिकता को अर्जित करने के संबंध में विभिन्न धर्मों के ज़्यादातर लोगों ने ईश्वर के प्रति आस्था व प्रार्थना के द्वारा अर्जित करने को कहा जबकि इस्लाम धर्म के लोगों ने परोपकार व जन-कल्याण को अधिक महत्व दिया।

शोध सीमा

- प्रस्तुत शोध वाराणसी जनपद के वृद्ध लोगों पर आधारित है, जिनकी संख्या 40 ही है।
- सामान्य व्यक्ति के जीवन में सिर्फ आध्यात्मिकता के अर्थ का ही अध्ययन किया गया है।
- शोध में प्रतिदर्श की सीमित संख्या के कारण अध्ययन के परिणामों का सामान्यीकरण संभव नहीं हैं।